



**PUBLIC RELATIONS OFFICE  
POSTGRADUATE INSTITUTE OF MEDICAL EDUCATION & RESEARCH  
CHANDIGARH – 160 012 (INDIA)**

**PRESS COVERAGE DATED 16, 17 & 18.06.2024**

<b>PGIMER Daily News Summary</b>					
<b>Sr. No.</b>	<b>Date</b>	<b>Headline</b>	<b>Publication</b>	<b>Edition</b>	<b>Page No</b>
1.	16-06-2024	गर्भवती महिलाओं को कितनी देर टहलना चाहिए, किन बातों का रखें ध्यान? जानें क्या बताते हैं डॉक्टर - Walk Benefits in Pregnancy	<a href="#">ETV Bharat</a>	Online Web	-
2.	16-06-2024	Patients hassled as medicine prices vary at PGI chemists	Chandigarh Tribune	Print	3
3.	16-06-2024	हर फ्लोर पर 3 फायर जोन, आग 2 घंटे तक दूसरे जोन में नहीं फैलेगी, दोगुने बड़े ओटी, 60 बेड का आईसीयू	Chandigarh Bhaskar	Print	1
4.	16-06-2024	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश में पी.जी.आई.	Chandigarh Kesari	Print	1
5.	16-06-2024	पीजीआई ने विश्व रक्तदाता दिवस मनाया, 350 दान के साथ ट्रांसिटी में तीन रक्तदान शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन	Bharat Hamara Desh	Print	2
6.	16-06-2024	पीजीआई महिलाकर्मों के सुसाइड मामले में नामजद आरोपियों की बढ़ सकती हैं मुश्किलें	Amar Ujala	Print	1
7.	16-06-2024	सीएफएसएल रिपोर्ट: हैंडराइटिंग नरिंदर की ही, ट्यूटर पर केस	Chandigarh Bhaskar	Print	1
8.	16-06-2024	रिपोर्ट में पुष्टि, नरिंदर ने ही लिखा था सुसाइड नोट	Chandigarh Jagran	Print	1
9.	16-06-2024	रिपोर्ट में पुष्टि, नरिंदर कौर ने ही लिखा था सुसाइड नोट	Chandigarh Kesari	Print	2
10.	17-06-2024	Before hosting global summit, PGI starts alumni relation cell	Chandigarh Times	Print	1
11.	17-06-2024	Do not ignore the symptoms of urinary incontinence	Chandigarh Times	Print	4
12.	17-06-2024	256-room hostel for PGI docs coming up	HT Chandigarh	Print	1
13.	17-06-2024	GMSH-16 sends proposal to UT for super-specialty block	The Indian Express	Print	3
14.	17-06-2024	Use Hindi for OPD slips, giving instructions to patients: PGI director to doctors	The Indian Express	Print	3

15.	17-06-2024	PGI celebrates World Blood Donor Day; successfully organises 3 blood donation camps in tricity with 350 donations	Punjab Express	Print	4
16.	17-06-2024	Thalassemic Charitable Trust PGI holds 300th blood donation camp	Yugmarg	Print	6
17.	17-06-2024	खेल में भागीदारी जरूरी, मिलती है शारीरिक-मानसिक मजबूती : वैभव	Amar Ujala	Print	3
18.	17-06-2024	पीजीआई के मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी विभाग में जेआरएफ की एक वैकेंसी	Chandigarh Bhaskar	Print	2
19.	17-06-2024	आज ईद, अस्पतालों में ओपीडी रहेगी बंद	Chandigarh Bhaskar	Print	1
20.	17-06-2024	जी.एम.एस.एच.-16 ने सुपर स्पैशिएलिटी ब्लॉक के लिए भेजा प्रस्ताव	Chandigarh Kesari	Print	1
21.	17-06-2024	पीजीआई और पेक ने एआई एप पर शुरू किया काम	Jagmarg	Print	12
22.	18-06-2024	Sec 53 trauma centre to house nursing college	Chandigarh Times	Print	1
23.	18-06-2024	GMSH-16 looking to set up super-specialty block	HT Chandigarh	Print	1
24.	18-06-2024	PGI to construct new 256 room hostel for resident doctors	Punjab Express	Print	4
25.	18-06-2024	Workshop on Artificial Intelligence concludes at PU	Punjab Express	Print	4
26.	18-06-2024	रिसर्च के साथ अब इलाज में भी एलुमनी थामेंगे संस्थान का हाथ	Amar Ujala	Print	2
27.	18-06-2024	कैंसर मरीजों के साथ मनाई निर्जला एकादशी	Amar Ujala	Print	4
28.	18-06-2024	पीजीआई क्लिनिकल हेमेटोलॉजी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी ने न्यू ओपीडी में निर्जला एकादशी मनाई	Chandigarh Savera	Print	3
29.	18-06-2024	पीजीआईएमईआर के नए ओपीडी में निर्जला एकादशी मनाई	Chandigarh Mail Express	Print	2
30.	18-06-2024	योग से प्री-डायबिटिक मरीजों के डायबिटिक होने के मामले घटे	Chandigarh Bhaskar	Print	1
31.	18-06-2024	पीजीआई के वायरोलॉजी विभाग में फील्ड वर्कर के पद के लिए 29 तक करें आवेदन	Chandigarh Bhaskar	Print	3

# Chandigarh Tribune

FORECAST



MAJLY CLEAR SKY

MAX: 34°C (93°F) MIN: 24°C (75°F)

YESTERDAY

PARTLY CLOUDY

24°C (75°F)

25°C (77°F)

25°C (77°F)

25°C (77°F)

25°C (77°F)

25°C (77°F)

25°C (77°F)

**PATIENTS HASSLED AS MEDICINE PRICES VARY AT PGI CHEMISTS**

Times: to visit multiple chemists while buying a medicine so that they can save some money. P33



**ADVISER TELLS DEPT HEADS TO ENHANCE USAGE OF IT**

To speed up work, UT Administration has asked departments to enhance usage of information technology. P33



**CIVIC BODY HOLDS HEALTH CAMP FOR SANITATION STAFF**

Health camp organized in Industrial Area ahead of Global Sanitation Month, that falls on June 7. P33



SUNDAY | 13 JUNE 2024 | CHANDIGARH

TWITTER / THE TRIBUNE CHD | FACEBOOK / CHANDIGARH TRIBUNE

## Patients hassled as medicine prices vary at PGI chemists

DEEPAKAR SHARDA  
TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, JUNE 15

With medicine prices varying at medical stores across the PGI campus, patients and their attendants are forced to visit multiple chemists while buying a medicine so that they can save some money.

The prices of medicines, which are unavailable at the Affordable Medicines and Reliable Implants for Treatment (AMRIT) pharmacy, fluctuate the most at private chemists. According to reports, the PGI authorities had decided to upload the prices of drugs (sold at the PGI Emergency) on the hospital's website along with the discounts available. It was claimed that the institute had ordered that not more than three brands of the same salt will be allowed in the drug store located in the Emergency so that there is no price variation. However,



A medical store on the PGI campus in Chandigarh. TRIBUNE PHOTO: RAVI KUMAR

when asked about the implementation of this project, the PGI authorities chose to make no comment.

"The PGI is doing a wonderful job in treating patients, but the authorities should also consider the fact that people are suffering or being looted. While the chemists on the campus offer discounts ranging from 15

per cent to 80 per cent (including the generic medicines), there should be a check on the prices. If that happens, patients or their attendants can buy medicines from the nearest store," said Atul, a patient.

Another patient said, "Chemists offering discounts on medicines is not a hidden fact and people do reach out

to the store that offers the best discount in order to save some money. Leave alone the PGI campus, prices also vary at chemists located in the nearby sectors. This is a national issue and the PGI can become an example by streamlining the prices of life-saving medicines across the campus," said Poonam, another patient.

# चंडीगाढ़ भास्कर

**संडे बिा स्टोरी** • पीजीआई में खुल रहा देश का पहला 300 बेडेड न्यूरो साइंस सेंटर, 50 हजार स्क्वेयर मीटर में बिल्डिंग हर फ्लोर पर 3 फायर जोन, आग 2 घंटे तक दूसरे जोन में नहीं फैलेगी, दोगुने बड़े ओटी, 60 बेड का आईसीयू

• 95 फीसदी काम पूरा, 31 अगस्त को हो जाएगा शुरू, सेंटर को बनाने में 450 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं

मनेज अवरजा | चंडीगाढ़

पीजीआई में देश का पहला 300 बेडेड न्यूरो साइंस सेंटर तैयार हो गया है। आईसीयू और इमरजेंसी मिलाकर कुल 412 बेड हैं। सेंटर को बनाने में 495 करोड़ खर्च हुए हैं और 95 फीसदी काम पूरा हो चुका है। पीजीआई की यह सबसे ऊंची बिल्डिंग है- 3 मंजिल अंडरग्राउंड और 7 मंजिलें ऊपर। इस सेंटर की सबसे खास बात है कि हर फ्लोर पर तीन फायर जोन बनाए गए हैं, किसी आपत स्थिति में सेंटर में आग लगने पर करीब 2 घंटे तक आग एक जोन से दूसरे जोन में नहीं फैलेगी। इन जोन में लगे लिफ्ट भी इस तरह बनाए गए हैं कि आग की स्थिति में भी लोगों को बाहर निकाल लेंगे। पीजीआई में हाल ही में लगी आग की घटनाओं के लिहाज से यह काफी महत्वपूर्ण है।

अभी तक पीजीआई के न्यू नेहरू हॉस्पिटल एक्सटेंशन को ही फायर एनओसी मिली हुई है। न्यूरो की बिल्डिंग के लिए प्री-कंस्ट्रक्शन फायर एनओसी मिल चुकी है। फाइनल एनओसी के लिए ओवदन किया जा रहा है। पूरी बिल्डिंग 50 हजार स्क्वेयर मीटर में ग्रीन कॉन्सेप्ट पर बनाई गई है। इसको बनाने के लिए वेस्ट मटेरियल जैसे प्लास्टिक का इस्तेमाल किया गया है। गूहा रेंटिंग 5 स्टार है।

**भास्कर एक्सालेनर** • 34 कंसल्टेंट्स की ओपीडी, सेंसर बेड्स दरवाजे, 550 वाहनों के लिए दो बेसमेंट पार्किंग



## किस फ्लोर पर क्या...

- **ग्राउंड फ्लोर:** 16-16 बेड की इमरजेंसी। 8 बेड का ट्रायएज। इसके अलावा रेडियोलॉजी डिपार्टमेंट यहीं है।
- **1 फ्लोर:** 34 कंसल्टेंट्स की ओपीडी और लेब्स बनाई गई हैं।
- **2 फ्लोर:** पैकलरी ऑफिस और लेब्स।
- **3-4-5 फ्लोर:** 60 बेड का आईसीयू, 256 जनरल वॉर्ड
- **बेड और 26 प्राइवेट बेड**
- **6 फ्लोर:** 10 ऑपरेशन थियेटर, प्री-पेस्ट ऑपरेटिव वॉर्ड हैं। यहां पर 30 बेड के वॉर्ड हैं।
- **पार्किंग:** यहां दो बेसमेंट में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। यहां पर 350 फोर व्हीलर और 200 टू व्हीलर खड़े हो सकेंगे। इसके अलावा 1 बेसमेंट में सर्विस एरिया रहेगा।

सैंपल, रिपोर्ट, दवा को हाथ लगाने की जरूरत नहीं, न्यूमेटिक ट्यूब सिस्टम से पहुंचेगा...



यहां न्यूमेटिक ट्यूब सिस्टम लगाया गया है। इस सिस्टम में वैक्यूम प्रेशर के जरिए किसी मरीज को रिपोर्ट, सैंपल और दवा आदि कोड के जरिए जहां भेजी जाती है, वहां पहुंच जायेगी।

**19 लिफ्ट हैं...** इस इमारत में 19 लिफ्ट हैं, जिनमें 15 मरीजों, स्टाफ, डॉक्टरों के लिए इस्तेमाल होगी। 4 लिफ्ट डंप वेटर होगी, इनका इस्तेमाल वेस्ट और अन्य सामान लाने-ले जाने के लिए किया जाएगा।

**2400 टन के एसी...** बिल्डिंग पूरी तरह एयर कंडीशंड है। इसके लिए यहां पर 2400 टन का एसी प्लांट लगाया गया है। 2500 किलोवॉट बिजली का लोड यहां पर होगा। 100 किलोवॉट का सोलर इलेक्ट्रिसिटी जेनरेशन प्लांट छत पर लगाया गया है।

## 10 मॉड्यूलर ओटी, साइज भी बड़ा...

सेंटर में 10 मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर (ओटी) बनाए गए हैं। ओटी अमूमन 50 स्क्वेयर मीटर के होते हैं, यहां 90 स्क्वेयर मीटर के हैं।



- ओटी में सर्जन कंट्रोल पैनल और ओटी इंटिग्रेशन के साथ-साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा है। इसके जरिये ऑपरेशन के वक्त डॉक्टर दूसरे डॉक्टर से सलाह ले सकेंगे। स्ट्रेंड्स लड्डव सजरी का हिस्सा बन सकेंगे।
- ओटी के दरवाजे फुट ऑपरेटेड व सेंसर बेड्स हैं, यानि दरवाजे को हाथ लगाने की जरूरत नहीं। ओटी कैब्रियरी प्राी बनाने के लिए हेप फिल्टर लगाए गए हैं, ताकि डॉक्टर और मरीज को किसी तरह का इन्फेक्शन न हो।

## फायर जोन की लिफ्ट आग लगने पर भी काम करेगी

पीजीआई के इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के मुताबिक यह संस्थान की पहली ऐसी बिल्डिंग है, जहां आग से बचाव के लिए फायर जोन बनाए गए हैं। हर फ्लोर पर तीन-तीन फायर जोन हैं। 2 घंटे तक आग एक से दूसरे जोन में नहीं फैल सकती। हर जोन में एक लिफ्ट है, जो आग लगने पर भी 20 लोगों को एक वार में निकाल सकती है।



## फायर फोन जैक...

हर फ्लोर पर फायर फोन जैक लगाए गए हैं। आग लगने पर इन जैक से फोन अटैच कर सूचना दे दी जाएगी। अनाउंसमेंट के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम है।

# चंडीगढ़ केसरी

## अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश में पी.जी.आई.

चंडीगढ़, 15 जून (पाल): पी.जी.आई. इस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को एक बड़े स्तर पर ले जाना चाहता है, जिसके लिए कॉलिंग हेल्थ केयर हीरोस फ्रॉम ट्राईसिटी प्रोग्राम के तहत शहर में जितने भी हेल्थ केयर वर्कर्स हैं, उन्हें इस योग दिवस पर जोड़ने की कोशिश की जा रही है। 21 जून को पी.जी.आई. में सुबह 5.30 बजे से 7 बजे तक योग दिवस को मानाने की योजना है।

पी.जी.आई. में चल रहे योग केंद्र की मानें तो पी.जी.आई. कोशिश वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की योजना बना रहा है, इससे पहले किसी भी योग कार्यक्रम में एक बड़े स्तर पर हेल्थ केयर वर्कर्स इकट्ठे नहीं हुए हैं। योग दिवस की तैयारियों को पी.जी.आई. कई दिनों से कई तरह के कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।



ट्राईसिटी के हर हेल्थ केयर वर्कर्स को जोड़ा जाएगा, 21 जून सुबह 5.30 से 7 बजे तक योग दिवस मनाए जाने को लेकर कई दिन से चल रही हैं तैयारियां

### बड़ी बीमारियों की रोकथाम में मदद

तीन साल से पी.जी.आई. कोलेबोरेटिव सेंटर फॉर माइंड बॉडी इंटरवेंशन की स्थापित है। केंद्र संयुक्त रूप से योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सी.सी.आर.वाई.एन.) नई दिल्ली और पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पी.जी.आई.) द्वारा चलाया जा रहा है। यहां शरीर में योग के परिवर्तन और प्रभावों का वैज्ञानिक रूप से अध्ययन किया जा रहा है। पी.जी.आई. के अलावा दिल्ली एम्स में भी योग को लेकर काफी काम किया जा रहा है। एम्स में ऐसी कई रिसर्च आई हैं, जिसमें बताया गया है कि योग करने से आर्थराइटिस, पीसीओडी जैसी बीमारियों को भी कंट्रोल किया जा सकता है।

### मरीजों के अटेंडेंट के लिए अलग सुविधा मिल रही पी.जी.आई. में

डॉक्टरों और हेल्थ केयर वर्कर्स ही नहीं अस्पताल में आने वाले मरीजों के अटेंडेंट के लिए भी योग सुविधा दी जा रही है। अस्पताल आने वाले हर व्यक्ति दुखी होता है। कई कई दिनों तक अपने मरीज के साथ ही रहना होता है। लंबी लंबी लाइनों में लगना होता है जो उन्हें मानसिक तौर पर तनाव देता है इसी को देखते हुए ही पी.जी.आई. परिजनों के लिए भी योग सेशन शुरू किए हैं। यह हफ्ते दो बार पी.जी.आई. कैम्पस में ही आयोजित होते हैं, यह छोटी सी कोशिश है ताकि मरीज के साथ आने वाले उनके अटेंडेंट को मानसिक तौर पर थोड़ा आराम दिया जा सके।



Dated:-16/06/2024

रैन की खपेट में आई तो महिलाओं  
सभत एक बच्ची की भीत  
कोल्हापुर 15 जून (निश): महाराष्ट्र में  
कोल्हापुर के उपनगर विक्रम नगर इलाके में  
रातिकार को देन को खपेट में आने से तो  
एकिकर्षा और एक बच्ची को भीत हो गई।  
रेल को पट्टी पर कन्ते हुए तेन रफार देन  
की खपेट में आने से यह कल्पना हो गया।  
पुलिस बूबों की बावें तो सोनी पौरित देन  
पट्टी पर काने हुए बीच में चल रही थी।  
इसी दौरान तेन रफार में लेख पृष्ठ को रार

दैनिक

राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत उत्तर भारत विशेष कर मालवा जोन ( हरियाणा ) का एकमात्र दैनिक समाचारपत्र  
DAILY BHARAT DESH HAMARA KARNAL

# भारत देश हमारा

Postal Regd. No. PKL-235/2024-26

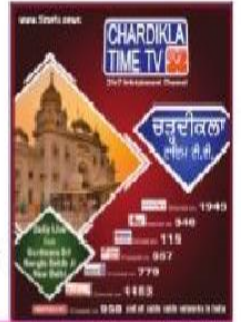
www.bharatdeshhamara.com, E-mail chardila.br@gmail.com, Adr: bdkarnal@gmail.com

करनाल

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह ददी

संपादक - डा.के.के.संघु

प्रबन्ध संपादक: सुन्दर सिंह छलवाल



आलपत्राई नं. HARJEN/2017/74227

जं 7 अंक 166 रविवार 16 जून, 2024

Sunday 16 June, 2024 मूल्य 2/- रुपए, कुल पृष्ठ 12 मोबा: 9416406615, 7404278000, 9215537704

## पीजीआई ने विश्व रक्तदाता दिवस मनाया, 350 दान के साथ ट्राइसिटी में तीन रक्तदान शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन

चंडीगढ़ 15 जून (सतीश कुमार) विश्व रक्तदाता दिवस वर्ष 2005 से हर वर्ष 14 जून को पूरे विश्व मनाया जाता है। इसका उद्देश्य रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और जीवन बचाने और स्वास्थ्य में सुधार करने में स्वैच्छिक अवैतनिक रक्तदाताओं के योगदान को पहचानना है। 14 जून ऑस्ट्रियाई जीवविज्ञानी और चिकित्सक कार्ल लैंडस्टीनर (1868-1943) का जन्मदिन है, जिन्हें आधुनिक रक्त आधान का आविष्कार माना जाता है, जिन्होंने आवश्यकता वाले रोगियों, कैंसर रोगियों, गर्भावस्था और बच्चे के जन्म के दौरान रक्तस्राव के मामलों, एनीमिया के मामलों सहित जीवन भर की आवश्यकता वाले लोगों के प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण है। सिकल सेल एनीमिया और थैलेसीमिया आदि जैसी स्थितियों के लिए नियमित रक्त आधान, स्वैच्छिक गैर-पारिश्रमिक रक्तदान भी हेमोफिलिया और प्रतिरक्षा कमियों जैसी दीर्घकालिक स्थितियों वाले रोगियों के समर्थन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस वर्ष 14 जून 2024 को विश्व रक्तदाता दिवस अभियान का नारा है दान देने के जश्न के 20 साल - रक्तदाताओं को धन्यवाद। यह एक राष्ट्र की सुरक्षित और टिकाऊ रक्त आपूर्ति पर जोर देता है। इन महान स्वयंसेवक दानाओं को धन्यवाद देने के लिए आयु के सभी स्वस्थ वयस्कों से

अवसर पर, ट्रांसप्यूजन मेडिसिन विभाग ने स्वैच्छिक रक्तदान के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 3 रक्तदान शिविर आयोजित किए -स्वराज इंजन लिमिटेड प्लॉट नंबर 2, औद्योगिक क्षेत्र, चरण 9 मोहाली में। रक्तदान केंद्र, एडवर्ड ट्रॉमा सेंटर, चंडीगढ़ अपने सभी स्वयंसेवक दाताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है जो संस्थान में रोगियों की रक्त और रक्त घटक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नियमित अंतराल पर रक्तदान करके विभाग का समर्थन कर रहे हैं।

# पीजीआई महिलाकर्मों के सुसाइड मामले में नामजद आरोपियों की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

चंडीगढ़। पीजीआई में बीते मार्च महीने में रेडियोग्राफर सुपरवाइजर के हाथ की नस काटकर आत्महत्या करने का मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है।

इस मामले में अब नामजद डाक्टर सहित अन्य स्टाफ की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मृतका के पास से मिले सुसाइड नोट की हैंड राइटिंग फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की जांच रिपोर्ट में मैच कर गई है। रिपोर्ट में पुष्टि हो गई है कि सुसाइड नोट नरिंदर कौर ने ही लिखा था। इसी आधार पर अब जांच आगे बढ़ेगी। इस मामले में पुलिस ने सेक्टर-11 थाने में

**फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट में खुलासा- नरिंदर कौर ने ही लिखा था सुसाइड नोट**

आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया था। बता दें कि सेक्टर-35डी निवासी 50 साल की नरिंदर कौर ने 12 मार्च को पीजीआई में ड्यूटी पर आने के बाद सुबह 10:30 बजे अपने हाथ की नस काट ली थी। काफी देर तक जब कमरे का दरवाजा नहीं खुला था तो स्टाफ दिव्या ने पीजीआई के कुछ कर्मचारियों के साथ मिलकर दरवाजे की कुंडी तोड़ दी। अंदर नरिंदर कौर बेसुध पड़ी थी और

उनकी कलाई से खून बह रहा था। उन्हें पीजीआई की इमरजेंसी में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

उधर, नरिंदर कौर के पति जगमिंदर ने आरोप लगाया था कि उनकी पत्नी को एक चिकित्सक परेशान कर रहा था। डॉक्टर को पत्नी भी पीजीआई में सुपरवाइजर है। नरिंदर का तबादला बच्चों की ओपीडी से न्यू ओपीडी के एडवांस पीडियाट्रिक सेंटर में कर दिया गया था। इसी कारण चिकित्सक, उसकी पत्नी, रेडियोडायग्नोस्टिक विभाग के दो ट्यूटर और एक एचए परेशान कर रहे थे। संवाद

# चंडीगढ़ भास्कर

## पीजीआई एक्स-रे सुपरवाइजर नरिंदर कौर सुसाइड केस सीएफएसएल रिपोर्ट: हैंडराइटिंग नरिंदर की ही, ट्यूटर पर केस

काइम रिपोर्टर | चंडीगढ़

पीजीआई के डिपार्टमेंट ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग में एक्स-रे



• नरिंदर कौर

सुपरवाइजर 54 साल की नरिंदर कौर ने 11 मार्च को अपने दफ्तर में नस काटकर, सल्फास निगल कर सुसाइड कर लिया था। सेक्टर-35 में नरिंदर के घर से एक सुसाइड नोट मिला था। सुसाइड से पहले नरिंदर ने दो लेटर लिखकर अपनी जूनियर को दिए थे। पुलिस ने इन सबके हैंडराइटिंग मिलान के लिए सेक्टर-36 सीएफएसएल भेजा था। अब इसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, यानि तीनों पर हैंडराइटिंग नरिंदर के ही हैं। इसके बाद पुलिस ने पहले जो सीआरपीसी 174 के तहत कार्रवाई की थी, उसे बदल कर आईपीसी 306 (आत्महत्या के लिए मजबूर करना) कर दिया है। यह एफआईआर ट्यूटर अजय के खिलाफ दर्ज की गई है।

सूत्रों के अनुसार पुलिस गत दिवस अजय को गिरफ्तार करने पीजीआई गई थी, लेकिन वह नहीं मिला। एक्स-रे एचओडी प्रो. एमएस संधू ने पीजीआई डायरेक्टर को लिखकर दिया है कि अजय दो दिनों से गैरहाजिर है। पुलिस सूत्रों के अनुसार अजय

**यह है मामला...** नरिंदर कौर का एपीसी से आपीडी के रेडियो डायग्नोसिस सेंटर में ट्रांसफर हो गया था। 1 मार्च को उन्होंने नई जगह काम संभालना था। उनकी जगह पर टेक्निकल असिस्टेंट दिव्या को चार्ज लेना था। मृतका के पति का आरोप था कि अल्ट्रासाउंड में इस्तेमाल होने वाला प्रोब स्टॉक में नहीं मिलने की वजह से नरिंदर कौर को प्रताड़ित किया जा रहा था। नरिंदर ने इस बारे में एचओडी डॉ. संधू को वॉट्सएप भी किया था कि वह मानसिक रूप से परेशान है, उनका इस्तीफा कबूल किया जाए। इसके जवाब में डॉ. संधू ने ओके लिख दिया था। सुसाइड नोट में नरिंदर कौर ने अजय पर परेशान करने के आरोप लगाए थे।

का 7 जून को ऑपरेशन हुआ था। वह 15 जून को अपने डिपार्टमेंट से एक महीने की मेडिकल लीव लेकर गया है।

गौरतलब है कि नरिंदर के पति गुरिंदर सिंह ने इस मामले में पीजीआई में ट्यूटर अजय, उसकी पत्नी दिव्या, अटेंडेंट सूरज, ट्यूटर नवजोत सिंह, ट्यूटर अमित कुमार, पीडियाट्रिक सेंटर में एक्स-रे हैड डॉक्टर अक्षय व एक अन्य हेड के खिलाफ शिकायत दी थी।



# चंडीगढ़

## रिपोर्ट में पुष्टि, नरिंदर ने ही लिखा था सुसाइड नोट

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : पीजीआइ में 11 मार्च को 50 वर्षीय रेडियोग्राफर



सुपरवाइजर नरिंदर कौर ने हाथ की नस काटकर

आत्महत्या कर ली थी। वह एडवांस

नरिंदर कौर • फाइल फोटो पीडियाट्रिक सेंटर में तैनात थी। उनके घर से एक सुसाइड नोट मिला था, जिसमें उसने पीजीआइ के एक चिकित्सक, उनकी पत्नी और अन्य स्टाफ पर परेशान करने का आरोप लगाया था। परिजनों

पीजीआइ में 11 मार्च को रेडियोग्राफर सुपरवाइजर ने हाथ की नस काट की थी आत्महत्या, पुलिस ने सुसाइड नोट भेजा था लैब

ने भी पीजीआइ चौकी पुलिस को उनके खिलाफ शिकायत दी थी। पुलिस ने सुसाइड नोट की जांच के लिए उसको लैब में भेजा था। अब लैब से आई रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि हो गई है कि सुसाइड नोट नरिंदर कौर ने ही लिखा था। अब पुलिस आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

नरिंदर कौर सेक्टर-35डी में रहती थीं। 11 मार्च को सुबह वह ड्यूटी पर आई थी। सुबह करीब 10:30 बजे जब आफिस के कमरे में कोई नहीं था तब उन्होंने अंदर से दरवाजा बंद कर अपने हाथ की-नस काट ली। काफी देर तक जब उन्होंने दरवाजा नहीं खोला तो स्टाफ ने पीजीआइ के कुछ कर्मचारियों के साथ मिलकर दरवाजे की कुंडी तोड़ दी। अंदर नरिंदर कौर बेसुध पड़ी थी और उनकी कलाई से खून बह रहा था। आनन-फानन में उन्हें पीजीआइ की ही इमरजेंसी में ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृतक घोषित कर दिया।

# चंडीगढ़ के सारी

पी.जी.आई. में रेडियोग्राफर सुपरवाइजर ने हाथ की नस काटकर की थी आत्महत्या  
रिपोर्ट में पुष्टि, नरिंदर कौर  
ने ही लिखा था सुसाइड नोट

चंडीगढ़, 15 जून (परीक्षित सिंह): पी.जी.आई. में 11 मार्च को 53 वर्षीय रेडियोग्राफर सुपरवाइजर नरिंदर कौर के आत्महत्या के मामले में हैंड राइटिंग विशेषज्ञ की रिपोर्ट आ गई है, जिसमें बड़ा खुलासा हुआ है।



विभागीय सूत्रों का दावा है कि घटना के बाद सैक्टर-35 स्थित उसके घर से मिला सुसाइड नोट मरने से पहले खुद नरिंदर ने ही लिखा था। उसने पी.जी.आई. के चिकित्सक, उसकी पत्नी और अन्य स्टाफ पर परेशान करने का आरोप लगाया था। मामले में सैक्टर-11 थाना पुलिस ने आई.पी.सी. की धारा 306

(आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत ट्यूटर अजय शर्मा के अलावा अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था।

वहीं, घटना के बाद पुलिस ने मृतक नरिंदर के घर से मिले सुसाइड नोट की जांच करवाने के लिए लैब भेज दिया था, ताकि साबित हो सके कि बरामद सुसाइड नोट मृतक नरिंदर द्वारा ही लिखा गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, सूत्र बताते हैं कि रिपोर्ट में सुसाइड नोट नरिंदर द्वारा ही लिखे जाने की पुष्टि होने के बाद पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी करने में लगी है।

## विभाग के ट्यूटर पर लगाया था आरोप

सैक्टर-35 की रहने वाली 50 वर्षीय नरिंदर कौर पी.जी.आई. में रेडियोग्राफर सुपरवाइजर के पद पर तैनात थी। घटना के दिन 11 मार्च, 2024 को वह इयूटी पर आई थी। सुबह करीब 10:30 बजे ऑफिस के कमरे में कोई नहीं था। तब उसने दरवाजा बंद कर बाथरूम में जाकर हाथ की नस काट ली। काफी देर तक जब दरवाजा नहीं खोला तो स्टाफ ने पी.जी.आई. के कुछ कर्मचारियों के साथ मिलकर कुंडी तोड़ दी। अंदर नरिंदर कौर बेसुध पड़ी थी और कलाई से खून बह रहा था। आनन-फानन पी.जी.आई. की ही इमरजेंसी में ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृतक घोषित कर दिया। मामले में परिजनो की शिकायत पर सैक्टर-11 थाना पुलिस ने घटना के दो दिन बाद आई.पी.सी. की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत रेडियोग्राफर सुपरवाइजर सुसाइड नोट मरने से पहले खुद नरिंदर ने ही लिखा था।





# CHANDIGARH TIMES

TO BE DISTRIBUTED FREE WITH THE TIMES OF INDIA

OF INDIA

## Before hosting global summit, PGI starts alumni relation cell

Shimona.Kanwar

@timesgroup.com

**Chandigarh:** The PGI has started its alumni relation cell to work towards improvement of medical education and health care services in the country, and to raise various endowment funds and award stipends to deserving students. This comes just before the global alumni summit, stated to be held in October this year.

“Most of the founding members of the cell are based in California. The PGI has been trying to register all its national and international faculty and students for this cell



File photo

The institute wants to raise various endowment funds and stipends for deserving students

since 2021. This was an initiative started by former director Prof Yogesh Chawla,” said a source. The cell shall attempt to promote interaction amongst PGI alumni members and serve as a link between the members and the institute. “There are a galaxy of

prominent doctors from PGI spread all across the globe. With this network, besides academic exchange programs, donations for the hospital can be arranged as in the other institutes of excellence,” said a faculty. The cell is expected to organise knowledge sharing platforms for PGI students, where some patient cases can also be discussed at the international level.

The cell will also have a committee of experts to award prizes for work done in the medical field. “A global summit consisting of former students and faculty of the institute was never organised,” said a senior faculty.



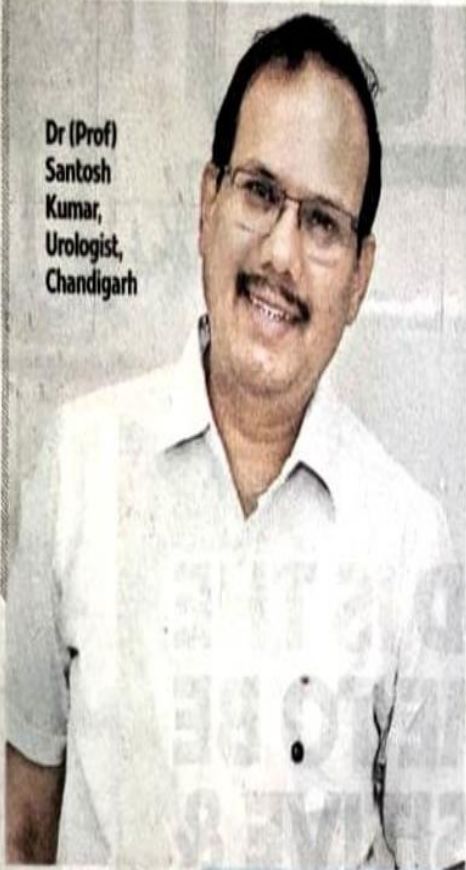
# CHANDIGARH TIMES

TO BE DISTRIBUTED FREE WITH THE TIMES OF INDIA

OF INDIA

## Do not ignore the symptoms of urinary incontinence

Dr (Prof)  
Santosh  
Kumar,  
Urologist,  
Chandigarh



**U**rinary incontinence means that you aren't always able to control when you urinate. "For instance, some urine might come out at times when you haven't meant it to, or you might leak sometimes when you cough, laugh or sneeze. Sometimes you might not make it to the bathroom in time before you begin leaking urine," says Dr (Prof) Santosh Kumar, Urologist, Chandigarh.

He further explains, "There are three types of urinary incontinence— Stress incontinence, Urge incontinence and Mixed incontinence. The type of urinary incontinence you may have depends on how and when you lose urine. Urinary incontinence can be extremely embarrassing, as it can make you feel stressed, depressed, cause low self-esteem. But it's important to know that there are treatments and products that can help you."

Talking about the treatment Dr Kumar says, "Treatment includes self-manage-

ment, medication, surgery, Electrical stimulation, Botulinum toxin injections, cystoplasty and urinary diversion. Self-management includes lifestyle advice, bladder training and pelvic floor muscle exercise. Some simple lifestyle changes you make can improve your urinary incontinence. Diet can have a noticeable effect on urinary incontinence. Certain types of food are known to irritate the bladder. The most common are spicy foods and sharp-tasting foods such as citrus fruits and strong cheese. Caffeine, alcohol, and soft drinks do not cause incontinence, but they can make some people need to urinate more often, because they irritate the bladder. Avoiding these types of drinks may therefore improve your symptoms."

Dr Kumar, talking about the exercise, says, "It has been observed that Kegel exercises can help strengthen the muscles of your pelvic floor and help in managing urinary incontinence."

06/17

Disclaimer: The views/suggestions/opinions expressed in the article are the sole responsibility of the experts.



# Chandigarh

## 256-room hostel for PGI docs coming up

**Naina Mishra**

naina.mishra@hindustantimes.com

**CHANDIGARH :** PGIMER has announced to construct a new hostel with 256 rooms for its resident doctors to meet the growing demand for on-campus accommodation.

The proposal for the fourth hostel was approved after an agenda for the "Construction of the doctor hostel block at PGIMER" was tabled in a meeting of the Standing Finance Committee (SFC) in April.

With a current strength of 1,652 residents, including DM/MCh senior residents, MD/MS junior residents and PhD/MDS scholars, the institute faces acute shortage of hostel accommodation, with only 807 hostel rooms available for doctors, leading to a satisfaction level of only 48.85%.

Due to the shortage, doctors are allotted hostel accommodation based on a priority list.

Meanwhile, the allotment of rooms to MD/MS students in all existing hostels — Kairon Block Hostel, Old Doctors Hostel and Sanjeevni Hostel — is made according to the merit in the entrance examination.

The proposed hostel will comprise four blocks, covering a total area of approximately 13,312 square metres. An estimated budget of ₹101 crore has been framed for the project.

This expansion is designed to not only improve the efficiency and well-being of residents, but also to reduce the expenditure on House Rent Allowance (HRA) currently provided to them.

"With the introduction of our new hostel block, we are addressing the space and accommodation challenges faced by our residents. The facility will not only provide a comfortable living environment but also support our residents' academic and professional growth," said Dr Vivek Lal, director, PGIMER.

# The Indian EXPRESS

## GMSH-16 sends proposal to UT for super-specialty block

The aim is to provide better services and reduce dependence on PGIMER



'We are a district hospital, but work like a medical college, and are now bursting at the seams'

PARUL  
CHANDIGARH, JUNE 16

ON AVERAGE, the OPD numbers of the Government Multi Speciality Hospital (GMSH 16) are about 3,000 patients from across the region, plus attendants. Built in 1952 for a population of about five lakh, the district hospital now has patients being referred to its various departments from across the region, with the highest of about 350 to 400 in the gynaecology department itself.

"We are a district hospital, but work like a medical college, and are now bursting at the seams, as we have no space to expand. If we do go vertical, it means shifting many departments, and the question is where. The hospital cannot close any facility, with a high number of patients being referred to from across the region. Apart from improving health facilities and infrastructure, on the periphery, the need of the hour is to have super-specialty services here at GMSH-16, starting with cardiology, nephrology and neurology. Also as a hospital, we need to grow and move ahead, so we have sent a proposal to the Administration for a super-specialty block here," says Dr Suman Singh, Director, Health Services.

As per Dr Singh, the idea of having specialty services here is to also decrease the hospital's dependency on PGI, which is already overburdened with patients, and always facing a short-

age of beds. "We have to refer patients to the institute and GMCH-32 due to lack of specialty departments and that causes a delay in treatment and a lot of running around for patients," she adds.

The director is keen to bridge the gap between government and private hospitals in terms of infrastructure, facilities, amenities, and patient care, and so a few areas in the hospital are being upgraded and renovated, with work on for the last two months on the renovation of the gynaecology private rooms, with about 200 beds being shifted to other areas of the hospital.

The emergency of the hospital is also being renovated for space, better placement of beds, and modern amenities. The area caters to 250 to 300 patients daily, with a provision of 70 beds, and more make-shift ones created on trolleys and wheelchairs. In the season of viral fever, dengue, and other seasonal illnesses, the number goes up, with the area inadequate to give the best care.

"Better and more powerful lighting, oxygen supply to every bed, pull-in curtains for privacy, separate entry and exit points, modern toilets, and restructuring of the entire area is on the cards so that patients can be given amenities like private hospitals. Due to lack of space, our advanced gynaecology centre is on hold, as we cannot shift the existing set-up. Several proposals for expansion have been sent and we hope we get a positive reply," sums up Dr Singh.

## 'Have a plan in place for blood, platelet collection for dengue season'

EXPRESS NEWS SERVICE  
CHANDIGARH, JUNE 16

THE BLOOD Centre at the Government Multispecialty Hospital (GMSH), Sector 16, Chandigarh, celebrated its 20th anniversary of World Blood Donor Day this week, with the theme for this year's celebration being '20 years of celebrating giving: Thank You blood donors!'

The event saw 101 donors come forward to donate blood, contributing to the hospital's blood bank reserves. The Blood Centre at GMSH-16 serves the Tricity area and neighbouring states, ensuring a stable blood supply to patients admitted to GMSH-16 and its linked Blood Storage Centres at Civil Hospital Sector 22, Civil Hospital, Sector 45, and Civil Hospital, Manimajra.

Dr Suman Singh, Director, Health Services, highlighted the necessity of regular and safe blood donors to maintain an adequate blood supply. "This is crucial for saving the lives of patients suffering from severe anaemia, cancer, Thalassaemia, accident injuries, and obstetric complications. We hold regular blood donation camps to ensure a steady supply of blood. Keeping in view the dengue season, which begins in September, we already have put a plan in place so that there is no shortage of blood or platelets, as it can get overwhelming if the number of cases rises, and peo-

ple need platelets. Our blood bank has state-of-the-art facilities, long donor lists, and a backup of NGOs we can reach out to. The Chandigarh Police we have listed also, and the police personnel donate blood immediately when we need it in a crisis. Apart from regular blood camps, we also do more collection drives, and always have enough in case of emergencies," says Dr Singh.

Interestingly, adds Dr Singh, with the high number of cancer patients in PGI, many are referred to GMSH-16 for a blood transfusion, as there is an acute shortage of beds. "Not just oncology, patients on dialysis, and others who need blood, are sent here, and we make sure that everyone is accommodated, so that there is no delay in treatment, so our blood bank has to be prepared for any extra needs."

Last year, more than 300 dengue cases were reported in the UT, with the DENV 2 strain found to be prominent, and a few hospitalisations reported of patients with low platelet counts. The hospital has three separator machines with the help of which platelets from donors are given to patients.

Apart from regular blood donors, Dr Singh recognises the role of NGOs and other organisations in facilitating these camps, which are held monthly, collecting approximately 6,000 units of blood annually.



## Use Hindi for OPD slips, giving instructions to patients: PGI director to doctors

EXPRESS NEWS SERVICE  
CHANDIGARH, JUNE 16

THE PGI director, Prof Vivek Lal, in a recent office order has requested doctors to facilitate an extensive use of Hindi, especially for OPD cards, writing prescriptions and slips for various diagnostic tests.

The move assumes significance as PGIMER, Chandigarh, caters to patients from across the region, and also as far as Uttar Pradesh, Bihar, Leh-Ladakh, Jammu and Kashmir, and people from all walks of life, including rural areas, with many not conversant and comfortable with the English language.

The order states, that for the convenience and help of patients, simple instructions should also be given in Hindi language, so that patients can understand what to do and where to go, and not be intimidated and confused about the process of treatment and asking the doctors questions. The institute sees an OPD of about 10,000 patients daily, with the large campus, various departments, separate counters for tests, and payments, long lines to get a registration card, creating a lot of rush, and many times especially for outsiders, a feeling of being lost in a maze. This is part of the many patient-friendly initiatives that the institute is working towards to have systems in place to reduce waiting time for patients. The order further states that as many disease prevention initiatives are taken by various departments, videos of these programmes in Hindi should be created by departments, and these must be played in OPDs of the hospital, for awareness, and to reach out to many patients waiting in the OPDs. The director states that the departments have both the technology and the staff to make these videos, and the help of the photography department of the institute should be taken to make these videos interesting, interactive and educative, with regular transmission.

As per the PGI administration, a lot of work is being done for maximum use of Hindi, with the institute having recently installed new Hindi signboards on the PGI campus, giving directions to patients about departments, how to reach and the main areas of the institute.

bright  
Punjab Express

brightpunjabexpress.com

## PGI celebrates World Blood Donor Day; successfully organises 3 blood donation camps in tricity with 350 donations

PUNJAB EXPRESS BUREAU  
Chandigarh, June 16

World Blood Donor Day is celebrated every year since the year 2005, throughout the world on 14th June. This is to raise awareness of the

importance of blood donation and to recognize the contribution of voluntary unpaid blood donors in saving lives and improving health. 14th June is the birthday of Karl Landsteiner (1868-1943), an Austrian biologist and phy-



sician, considered to be the "founder" of modern blood

transfusion, who also discovered the ABO blood groups. Every blood donation is a precious lifesaving gift and repeat donation is the key to building a safe and sustainable blood supply and achieving Universal Health Coverage

(UHC). Access to safe and secure blood supply based on the voluntary non-remunerated donation is vital for management of accident and trauma victims, patients requiring surgeries, cancer patients, cases of bleeding during pregnancy

and child birth, cases of anemia including those requiring life long and regular blood transfusions for conditions such as Sickle Cell Anemia and Thalassemia etc. Voluntary non-remunerated plasma donations also play an important part in supporting patients with a wide range of long-term conditions such as Hemophilia and immune deficiencies.



Dated:-17/06/2024

WWW.YUGMARG.COM

REGD NO. CHD/0061/2006-08 | RNI NO. 61323/05

# YUGMARG

## Thalassemic Charitable Trust PGI holds 300th blood donation camp

SHASHI PAL JAIN  
CHANDIGARH, JUNE 16

Thalassemic Charitable Trust, PGIMER and Department of Transfusion Medicine, PGIMER jointly organized 300th Blood Donation Camp of the Trust to celebrate World Blood Donor Day in Community Centre, PGIMER, Chandigarh.

The World Blood Donor Day is celebrated every year on 14th June. On 14th June 2024, Govt Medical College and Hospital Sector 32 Honour us on World Blood Donor's Day.

This Blood Donation Camp was more significant in view of the increased demand of Blood in summer months for Thalassemics and seriously ill patients requiring blood support. The Camp was dedicated to thalassaemia patients. Prof(Dr) R K Ratho, Dean Research, PGI inaugurated the Blood Donation Camp by cutting a cake for blood donors. He was accompanied by Prof(Dr) Rati Ram



Sharma, Head and Prof(Dr) Asheesh Jain from Department of Transfusion Medicine. They blessed and motivated the blood donors. Hon'ble 275 Blood Donor's Registerd for Blood Donation and 53 blood donors

didn't donate blood due to technical issues.

Rajinder Kalra, Member Secretary of the Trust thanked the blood donors and the team of Department of Transfusion Medicine PGIMER. He emphasised the

need for voluntary blood donation to save precious lives needing blood support. Regards Rajinder Kalra Member Secretary Thalassemic Chairatable Trust PGIMER - GMCH Chandigarh Mobile 9914152779 - 9855079657.

वार्षिक खेल समारोह

पीजीआई के वार्षिक खेल समारोह ग्लेडियस के समापन पर कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाज वैभव अरोड़ा ने बतौर मुख्य अतिथि की शिरकत

## खेल में भागीदारी जरूरी, मिलती है शारीरिक-मानसिक मजबूती : वैभव

माई सिटी रिपोर्टर 17

चंडीगढ़। फिटनेस सभी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। जहां तक रोज़डेंट डॉक्टरों की बात है तो प्रत्येक डॉक्टर को खेल में भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए, क्योंकि इससे मानसिक और शारीरिक दोनों ही मजबूती मिलती है।

यह बातें कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाज वैभव अरोड़ा ने पीजीआई के वार्षिक खेल समारोह ग्लेडियस के समापन समारोह कार्यक्रम में रविवार को बतौर मुख्य अतिथि कही।

उन्होंने डॉक्टरों से कहा कि अपनी रुचि के हिसाब से खेल का चुनाव करें लेकिन ऐसा करें जरूर। क्योंकि काम के दबाव के बीच खेल में कुछ वक़्त गुजार कर खुद को ऊर्जा और स्फूर्ति प्रदान की जा सकती है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने खेल समारोह के विजेता टीम के रूप में जनरल सर्जरी की टीम को ग्लेडियस डिपार्टमेंटल



पीजीआई में वार्षिक खेल समारोह ग्लेडियस के पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान वैभव अरोड़ा (बाएं)। एक खिलाड़ी को पुरस्कृत करते पीजीआई निदेशक प्रो. विवेक लाल। संवाद

ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। जनरल सर्जरी की टीम विभिन्न खेलों में 1000 अंक प्राप्त कर सबसे आगे रही। वहीं पीजीआई निदेशक प्रोफेसर विवेक लाल ने

कार्यक्रम के लिए पीजीआई रोज़डेंट डॉक्टर एसोसिएशन को बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने वैभव अरोड़ा के बारे में बताया और कहा कि यह इंडिया के शीर्ष



ग्लेडियस डिपार्टमेंटल ट्रॉफी के साथ जनरल सर्जरी की टीम। संवाद

बॉलर को आने वाले समय में रिप्लेस करने की क्षमता रखते हैं। खेल समारोह को सफल बनाने में रोज़डेंट डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ.

हरिहरन, खेल सचिव डॉक्टर विवेक झा के साथ ही प्रणीत रेड्डी, विदुषी, स्मृति, मनिकेश, उदय और भारत का योगदान सराहनीय रहा।

Dated:-17/06/2024

# चंडीगढ़ भास्कर

## न्यूज ब्रीफ

### पीजीआई के मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी विभाग में जेआरएफ की एक वैकेंसी

चंडीगढ़। पीजीआई सेक्टर-12 के मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी विभाग में डीएसटी सर्व प्रोजेक्ट के लिए जूनियर रिसर्च फेलो II (जेआरएफ) की एक वैकेंसी है। उम्मीदवार 24 जून तक [pahil.sapna@pgimer.edu.in](mailto:pahil.sapna@pgimer.edu.in) पर आवेदन कर सकते हैं। सैलरी 31000+16%एचआए प्रतिमाह मिलेगी। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा। ऑनलाइन इंटरव्यू के लिए कोई इंटरव्यू निवेदन मंजूर नहीं किए जाएंगे। भर्ती के लिए क्वालिफिकेशन और संबंधित अन्य जानकारी के लिए उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट [pgimer.edu.in](http://pgimer.edu.in) पर विजिट करें।

# चंडीगढ़ भास्कर

## आज ईद, अस्पतालों में ओपीडी रहेगी बंद

सिटी रिपोर्टर | चंडीगढ़

सोमवार को ईद के मौके पर शहर के सरकारी हॉस्पिटल की ओपीडी बंद रहेगी। जीएमसीएच-32, जीएमएसएच-16 में ओपीडी बंद रहेगी। पीजीआई में आधा दिन ओपीडी चलेगी। इसके अलावा प्रशासनिक और नॉन फैकल्टी स्टाफ की छुट्टी रहेगी। इसके अलावा सभी अस्पतालों में इमरजेंसी सर्विसेज रोजाना की तरह चलेंगी। वहीं, सरकारी दफ्तर भी बंद रहेंगे।

पीजीआई आने वाले मरीजों के लिए राहत की बात ये है कि यहां ओपीडी आधा दिन चलेगी। रविवार को छुट्टी थी, जिस वजह से सोमवार को ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ जाती है।

# चंडीगढ़ के सारी

इंतजार जारी

बेहतर सेवाएं प्रदान करना और पी.जी.आई. पर निर्भरता कम करना उद्देश्य

## जी.एम.एस.एच.-16 ने सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक के लिए भेजा प्रस्ताव

चंडीगढ़, 16 जून (पाल): सैंक्टर-16 जी.एम.एस.एच. काफी समय से सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं शुरू करने की योजना बना रहा है। सब कुछ योजना के मुताबिक रहा तो जल्द एडवांस सुविधाएं शुरू हो पाएंगी।

हेल्थ डायरेक्टर डा. सुमन सिंह के मुताबिक सुपर-स्पेशियलिटी ब्लॉक का प्रोपोजल चंडीगढ़ प्रशासन को भेज दिया है, जिसमें कार्डियोलॉजी, नैफ्रोलॉजी और न्यूरोलॉजी की अलग से सुविधाएं शुरू करने की बात कही गई है। इन बीमारियों के मरीज एमरजेंसी में आते हैं, जहां मैडीकल ऑफिसर स्टेबल कर पी.जी.आई. रेफर कर देते हैं। अभी तक ऐसे मरीजों के लिए पी.जी.आई. या जी.एम.सी.एच. भेजते हैं। इस रेफरल की वजह से इलाज देर से शुरू हो पाता है।

पी.जी.आई. में पहले ही मरीजों की संख्या बहुत ज्यादा है। जी.एम.एस.एच. में यह सुविधाएं जुड़ती हैं तो रेफर नहीं करना पड़ेगा। हमने प्रशासन से जी.एम.एस.एच. के एक्सटेंशन के 500 बेड की मांग सारंगपुर में की है वहां पर ही यह नई सुविधाएं शुरू करने की योजना है।

### एक मैडीकल कॉलेज की तरह करते हैं काम

डा. सिंह का कहना है कि रोजाना ओ.पी.डी. में करीब तीन हजार मरीज आते हैं। साल 1952 में पांच लाख की आबादी को देखते हुए अस्पताल बनाया गया था। अब मौजूदा समय में अलग-अलग राज्यों से मरीज आते हैं।

बाहरी राज्यों के मरीजों की संख्या रोजाना 350 से 400 रहती है। यह एक डिस्ट्रिक्ट अस्पताल है, लेकिन मैडीकल कॉलेज की तरह काम करते हैं। मौजूदा कैम्पस में एक्सटेंशन (विस्तार) के लिए जगह नहीं है। मौजूदा बिल्डिंग जैसे मदर एंड चाइल्ड केयर का रेनोवेशन इसकी वजह से रुका हुआ है। हमारे 200 बेड को शिफ्ट करने की जगह



नहीं है। बिल्डिंग सारी टूट कर नहीं बनेगी। अस्पताल की किसी भी सुविधा को बंद नहीं किया जा सकता है, क्योंकि पूरे क्षेत्र से बड़ी संख्या में मरीजों को रेफर किया जाता है। यह एडवांस सुविधाएं बुनियादी ढांचे में सुधार के अलावा, समय की मांग है। इसे देखते हुए हमने यह प्रोपोजल भेजा है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि इसे मंजूरी मिलेगी।

### एमरजेंसी में रेनोवेशन हुआ शुरू

मरीजों की संख्या को देखते हुए मौजूदा एमरजेंसी को बढ़ाया जा रहा है। एमरजेंसी के रेनोवेशन और बढ़ाने का काम शुरू हो चुका है। इस साल कैम्पस में बच्चों के लिए अलग से 20 बेड्स का पीडियाट्रिक सेंटर शुरू किया है। ऐसे में एमरजेंसी में और बेड की जगह बन गई है। मौजूदा एमरजेंसी में 70 बेड्स की व्यवस्था है। साथ ही मरीज ट्राली पर भी यहां रहते हैं।

औसतन एमरजेंसी में 250 से 300 मरीजों का नंबर रहता है, जबकि डेगू, वायरल, सीजनल बीमारियों में मरीजों का नंबर इससे ज्यादा रहता है। व्हीलचेयर, ट्रॉली यहां तक की चेयर पर भी हम मरीजों को ड्रिप लगाते हैं। हेल्थ डायरेक्टर की मानें तो मानसून सीजन के बाद डेगू और वायरल के मरीज बढ़ जाते हैं। ऐसे में वह उससे पहले एमरजेंसी का रेनोवेशन पूरा करना चाहते हैं। कई छोटे-छोटे बदलाव हमने पहले भी किए हैं, लेकिन यह पहली बार है कि एमरजेंसी को बढ़ाया जा रहा है। इससे बेड्स तो बढ़ेंगे ही साथ ही पीक सीजन में ज्यादा ट्रॉली पर हम मरीजों ले सकेंगे।

# जगमार्ग

इलाज

अब स्ट्रोक के मरीजों का इलाज होगा और आसान

## पीजीआई और पेंक ने एआई एप पर शुरू किया काम

वेभव शर्मा

चंडीगढ़ (जगमार्ग न्यूज)। लोगों में बढ़ रही बीमारियों को देखते हुए अब मेडिकल संस्थान भी एक कदम आगे चल रहे हैं। नॉर्थ इंडिया के सबसे बड़े संस्थान पीजीआई लगातार इसी प्रयत्न में आगे बढ़ रहा है कि वह मरीजों को हर सुविधा दे। इसी कड़ी में वह नियमित रूप से कोई न कोई आविष्कार करता ही रहता है। आज के समय में स्ट्रोक लोगों के बीच बहुत बड़े स्तर पर फैल रहा है। इसे रोकने के लिए पीजीआई कई शोध कर चुका है। लेकिन स्ट्रोक के मरीजों के इलाज को और आसान बनाने के लिए पीजीआई ने पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (पेंक) के साथ मिलकर एआई एप पर काम शुरू कर दिया है। इस एप के जरिए जहां मरीजों को तत्काल इलाज उपलब्ध कराने की राह और आसान

- ⇒ स्ट्रोक के बढ़ते मामलों पर अंकुश लगाने में होगी सफलता हासिल
- ⇒ स्ट्रोक को लेकर कोविड के बाद टेली स्ट्रोक एप्लीकेशन किया गया विकसित

होगी, वहीं स्ट्रोक के बढ़ते मामलों पर काबू के लिए पब्लिक को भी जोड़ने का प्रयास होगा जिससे जागरूकता और सही जानकारी से स्ट्रोक के बढ़ते मामलों पर अंकुश लगाने में सफलता प्राप्त हो। पीजीआई के न्यूरोलॉजिस्ट और स्ट्रोक क्लिनिक के संचालक प्रो. धीरज खुराना ने बताया कि स्ट्रोक को लेकर कोविड के बाद टेली स्ट्रोक एप्लीकेशन विकसित किया गया था। इसकी मदद से सबसे पहले



जीएमएसएच-16 और फिर तीनों सिविल अस्पतालों को टूरल बेस पर जोड़ा गया था। टूरल सफलतापूर्वक पूरा होने पर उसे और विस्तार देने की योजना बनाई गई है। उस योजना को स्वीकृति मिल गई है। इसके अंतर्गत एप की कमियों को चिह्नित कर उसे और बेहतर बनाने का भी प्रयास किया जा रहा है। इसमें पेंक के सहयोग से नए सिरे से काम किया जा रहा है। एप से जोड़े गए सरकारी अस्पतालों में टूरल के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम

किया गया था, लेकिन अब नई चीजों को समाहित कर नए स्तर से व्यापक पैमाने पर प्रशिक्षण शुरू किया गया है। प्रो. धीरज ने बताया कि इस योजना के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा अस्पतालों को पीजीआई से जोड़कर कमियों को दूर कर मरीजों को कम से कम समय में इलाज उपलब्ध कराना है। टूरल पूरा होने के बाद अब जीएमएसएच-16 के साथ ही तीनों सिविल अस्पताल प्रॉपर तरीके से पीजीआई के साथ जुड़ गए हैं। स्ट्रोक एक जानलेवा स्थिति है जो तब होती है जब आपके मस्तिष्क के किसी हिस्से में पर्याप्त रक्त प्रवाह नहीं होता है। यह आमतौर पर आपके मस्तिष्क में किसी धमनी के अवरुद्ध होने या रक्तस्राव के कारण होता है। रक्त की निरंतर आपूर्ति के बिना, उस क्षेत्र में मस्तिष्क की कोशिकाएँ ऑक्सीजन की कमी से

मरने लगती हैं। स्ट्रोक किसी को भी हो सकता है, बच्चों से लेकर वयस्कों तक, लेकिन कुछ लोगों में दूसरों की तुलना में इसका जोखिम अधिक होता है। स्ट्रोक जीवन के बाद के चरणों में अधिक आम है (लगभग दो-तिहाई स्ट्रोक 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में होते हैं)। कुछ चिकित्सीय स्थितियाँ भी हैं जो स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाती हैं, जिनमें उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन), उच्च कोलेस्ट्रॉल (हाइपरलिपिडेमिया), टाइप 2 मधुमेह, तथा वे लोग शामिल हैं जिनका स्ट्रोक, दिल का दौरा या अलिंग विकम्पन जैसी अनियमित हृदय ताल का इतिहास रहा हो। स्ट्रोक बहुत आम है। दुनिया भर में, स्ट्रोक मौत के शीर्ष कारणों में दूसरे स्थान पर है। संयुक्त राज्य अमेरिका में, स्ट्रोक मौत का पाँचवाँ कारण है।

# CHANDIGARH TIMES

CHANDIGARH TIMES

CHANDIGARH

## Sec 53 trauma centre to house nursing college

Shimona Kanwar  
@timesgroup.com

**Chandigarh:** The regional trauma centre, coming up in Sector 53 under GMCH-32, will now have two additional units — nursing college and a cardiac sciences centre. The plan was revised in a meeting held recently under the UT health secretary where the GMCH's proposal of adding these centres was approved.

"We have an area for the trauma centre spanning across 9.6 acres. We have held a meeting with the town planner and other officials wherein the detailed project report has been made. Now when the budget will be passed, the work of this project will start," said Prof A K Attri, director-principal, GMCH-32.

The project, focusing on enhancing trauma care, cardiac sciences and nursing education, will be executed in two phases. The initial phase will prioritize strengthening trauma services to address the pressing need for specialized care and effectively reduce morbidity and mortality rates, the GMCH director said.

Simultaneously, the project will establish a dedicated college of nursing on the site. "Currently operating from the Sarai building, the nursing college will benefit from a purpose-built facility, fostering growth and accommodating the increasing demand for skilled nursing professionals," said Prof Attri.

The second phase, projected for completion within four years, will focus on expanding cardiac sciences. Currently operating from a repurposed



PGI is the only public hospital in the Tricity that has been running a dedicated trauma centre, catering to states of Punjab, Haryana and Himachal

space within existing departments, the cardiac sciences department requires a dedicated facility to accommodate its growing needs and service demands. "This phase aims to consolidate cardiology and cardiac surgery under one roof, creating a comprehensive center of excellence. This consolidation will streamline patient care, optimise resource utilisation, and foster interdisciplinary collaboration," said the director-principal. He said, "The cardiology department is expanding its services and would need additional area soon. Therefore, we have initiated this plan with the scope of expansion."

Only PGI is the public hospital in the Tricity that has been running a dedicated trauma centre, catering to the adjoining states of Himachal Pradesh, Punjab and Haryana. However, the PGI's trauma centre is 200% occupied at any given time. The patient rush is expected to be streamlined with an additional trauma centre coming up in the city.



# Chandigarh

## GMSH-16 looking to set up super-specialty block

**Robert Abraham**

robert@hindustantimes.com

**CHANDIGARH:** Aiming to provide better services to patients and reduce dependency on the already overburdened PGIMER, Government Multi-Specialty Hospital (GMSH), Sector 16, has sent a proposal to the UT administration for a super-specialty block.

A super-specialty block typically refers to a healthcare facility that specialises in providing advanced medical care and treatments in specific fields or disciplines.

On average, GMSH-16 daily attends to around 3,000 patients from the region at its out-patient department (OPD). Originally established in 1952 to serve a population of approximately 5 lakh, the district hospital now receives referrals to its various departments from across the region. The gynaecology department alone handles the highest number, ranging from 350 to 400 patients daily.

A senior official from GMSH expressed, "Although we are a district hospital, our operations resemble those of a medical college. Currently, we are facing overcrowding issues with no available space for expansion. If

### THE HOSPITAL HAS WRITTEN TO THE UT ADMN WITH A PROPOSAL FOR THE NEW BLOCK

we consider vertical expansion, it will necessitate relocating several departments, posing logistical challenges."

"Given our role as a critical referral centre for the region, closing any facility is not feasible. Besides enhancing healthcare facilities and infrastructure in the surrounding areas, the urgent priority is to introduce super-specialty services at GMSH, starting with cardiology, nephrology, and neurology. To advance as a hospital, we have submitted a proposal to the administration for the establishment of a dedicated super-specialty block," added the official.

### Compelled to refer patients to PGIMER, GMCH

Currently, due to the absence of specialty departments, GMSH is compelled to refer patients to PGIMER and GMCH, Sector 32, leading to treatment delays and inconvenience for patients.

The UT health services director is also eager to bridge

the gap between government and private hospitals in terms of infrastructure, facilities, amenities and patient care.

To this end, several areas of the hospital are being upgraded and renovated. For the past two months, work has been ongoing on the renovation of the gynaecology private rooms, with around 200 beds being relocated to other parts of the hospital.

The hospital's emergency department is also being upgraded to improve space utilisation, better bed placement and add modern amenities. This area serves 250 to 300 patients daily, providing 70 beds, with additional makeshift ones created using trolleys and wheelchairs.

During the season of viral fevers, dengue and other seasonal illnesses, the number of patients increases, making the area inadequate to provide the best care. Plans are also underway to install more powerful lighting, provide oxygen supply to every bed, add pull-in curtains for privacy, create separate entry and exit points, build modern toilets and restructure the entire area, ensuring amenities comparable to those in private hospitals. Several other proposals for expansion have been sent to the UT administration.



bright  
Punjab Express

## PGI to construct new 256 room hostel for resident doctors

PUNJAB EXPRESS BUREAU  
Chandigarh, June 17

The PGI plans to construct a new hostel with 256 rooms for its resident doctors to meet the growing demand for on-campus accommodation. This will be the fourth hostel for the resident doctors on the PGI campus.

The proposal for the fourth hostel was approved after an agenda for the "Construction of the doctor hostel block at PGIMER" was tabled in a meeting of the Standing Finance Committee (SFC) in April. With a current strength of 1,652 residents, including DM/MCh senior residents, MD/MS junior residents and PhD/MDS



scholars, the institute faces acute shortage of hostel accommodation, with only 807 hostel rooms available for doctors, leading to a satisfaction level of only 48.85%.

Due to the shortage, doctors are allotted hostel accommodation based on a priority list. Meanwhile, the allotment of rooms to MD/MS students in all existing

hostels — Kairon Block Hostel, Old Doctors Hostel and Sanjeevani Hostel — is made according to the merit in the entrance examination.

The proposed hostel will have four blocks, covering a total area of approximately 13,312 square metres. An estimated budget of Rs 101 crore has been allocated for the project.

bright

[brightpunjabexpress.com](https://brightpunjabexpress.com)

# Punjab Express

## Workshop on Artificial Intelligence concludes at PU

PUNJAB EXPRESS BUREAU  
Chandigarh, June 17

The PU-IIT Ropar Regional Accelerator for Holistic Innovations Foundation (PI-RAHI) concluded its two-day workshop on "Transforming Tomorrow: Artificial Intelligence for Sustainable Agriculture, Health, and Ecosystem Resilience" supported by the Department of Science and Technology and Renewable Energy, Chandigarh Administration and Agri-tech collaborator

iHub-Awadh@IIT Ropar. The event was conducted at Panjab University. The event, which took place on June 13 and 14, brought together experts from various fields to discuss the potential of AI in transforming these sectors.

The second day of the workshop began with a virtual session by Anvita Gupta, CEO of AINovo Biotech at Stanford University, who spoke about the revolutionary impact of generative AI on diagnostics and drug discovery for can-

cer and infectious diseases. The workshop also featured talks by several prominent experts, including Dr. Debnath Pal, Professor at IISc, Bangalore, who presented a case study on oral cancer and the AI model MIDAS being developed to improve data quality; Dr. Bhaskar Rajakumar, Program Director at Artpark@IISc, who discussed the role of AI in tackling dengue and the collaborative efforts of ARTPARK@IISc with the government; Nihar Desai,

Program Lead at IISc, who presented on the application of NLP and LLMs in public healthcare, highlighting the work of ARMMAN and ARTPARK on building an LLM co-pilot for learning support workflows; Dr. Suresh K. Sharma, Panjab University, who shared insights on advanced statistical techniques in machine learning and AI; Dr. Mona Duggal, PGIMER.

# रिसर्च के साथ अब इलाज में भी एलुमनी थामेंगे संस्थान का हाथ

## सफलता की नई कहानी लिखने की तैयारी, पीजीआई ने बनाया ग्लोबल एलुमनी सेल

माई सिटी रिपोटर

चंडीगढ़। पीजीआई ग्लोबल एलुमनी सेल बनाकर सफलता की नई कहानी



लिखने की तैयारी कर रहा है। ग्लोबल एलुमनी सेल के माध्यम से देश-विदेश में

अपने पूर्व संस्थान को विश्व में और शक्तिशाली बनाने का प्रयास करेंगे। कोई इलाज की नई तकनीक के बारे में बताएगा तो कोई जांच और नई दवा के बारे में।

यही नहीं, इस सेल के माध्यम से जुड़े विश्व स्तर के विशेषज्ञ शोध से लेकर इलाज तक में अपने पूर्व संस्थान की हरसंभव मदद करेंगे। वहीं, उनके बीच प्यार और अपनेपन का रिश्ता और मजबूत होगा। पीजीआई ग्लोबल एलुमनी

देश-विदेश के एलुमनी को सेल में किया शामिल, अब तक विभागवार एलुमनी मीट का होता है आयोजन

सेल के संयोजक व पूर्व डीन एकेडमिक प्रो. ज़ीडो पुरी ने बताया कि संस्थान के पूर्व छात्र अमेरिका, आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड में काफी सक्रिय हैं। इस सेल के माध्यम से अब संस्थान उनके अपडेट लेता रहेगा। जहां कहीं उनसे मदद लेने की जरूरत होगी, वह ली जाएगी।

पीजीआई के पूर्व छात्र जो अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, उनको संस्थान में समाहित किया जाएगा। प्रो. पुरी ने बताया कि इससे पहले तक विभाग अपने-अपने एलुमनी के साथ मीट करते थे लेकिन अब अलग-अलग के बजाय व्यापक स्तर पर समाहित करने की तैयारी की जा रही है। इससे दूरगामी परिणाम प्राप्त होंगे।

नई तकनीक की पीजीआई को मिलेगी सबसे पहले जानकारी प्रो. पुरी ने बताया कि अब तक नए शोध के बारे में प्रकाशन के बाद जानकारी मिलती है लेकिन अब ग्लोबल एलुमनी ग्रुप के माध्यम से विश्वभर के विशेषज्ञों से जुड़ाव संभव होगा। वे नई तकनीक, जांच, इलाज के बारे में जनरल के प्रकाशन से पहले पीजीआई को अपडेट करेंगे। ऐसा होने पर पीजीआई उनकी मदद से मरीजों को बेहतर इलाज मुहैया कराने का प्रयास करेगा। प्रो. पुरी ने बताया कि कोविड के दौरान वैश्वीकरण के माध्यम से उन्होंने विश्वभर के विशेषज्ञों से तकनीक के माध्यम से संक्रमण से बचाव पर काम कर सकलता प्राप्त की थी।

### पहला ग्लोबल एलुमनी कांफ्रेंस अक्टूबर में

प्रो. ज़ीडो पुरी ने बताया कि सेल के गठन के बाद पहली बार 25 से 27 अक्टूबर तक पीजीआई में ग्लोबल एलुमनी मीट का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए पंजीकरण शुरू हो गया है। छह दिनों के इस आयोजन के लिए अब तक 300 एलुमनी ने पंजीकरण करा लिया है। उम्मीद है कि यह संख्या एक से डेढ़ हजार तक पहुंचेगी। कार्यक्रम के दौरान एलुमनी अपने अनुभव साझा करने के अलावा पीजीआई के साथ मिलकर करने वाली योजना पर भी विस्तार से बात करेंगे ताकि इससे नई दिशा मिल सके।



पीजीआई में ग्लोबल एलुमनी सेल का गठन किया गया है। हमारा लक्ष्य इसे प्रमोट करना है, जिससे ग्लोबल एलुमनी पीजीआई से जुड़े रहें और संस्थान का बड़ा विषय में जुलूस करें। -प्रो. विवेक लाल, पीजीआई निदेशक

## कैंसर मरीजों के साथ मनाई निर्जला एकादशी



पीजीआई की न्यू ओपीडी में निर्जला एकादशी पर मरीजों की सेवा करते डॉक्टर। अमर उजाला

### माई सिटी रिपोर्टर

चंडीगढ़। पीजीआई की ओपीडी में सोमवार को कैंसर के मरीजों के साथ निर्जला एकादशी मनाई गई। पीजीआई क्लिनिकल हेमाटोलॉजी एंड मेडिकल ऑन्कोलॉजी ने संजीवनी लाइफ वियॉन्ड कैंसर के सहयोग से न्यू ओपीडी में कार्यक्रम को आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य कैंसर रोगियों को

राहत और देखभाल प्रदान करना था। इस अवसर पर रोगियों को भीषण गर्मों और निर्जलीकरण से बचाने के लिए जलपान और आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया गया।

इस अवसर पर डॉ. पंकज मल्होत्रा, डॉ. गौरव प्रकाश और डे केयर 1 नर्सिंग अधिकारियों के सहयोग से संजीवनी टीम ने ओपीडी में मौजूद सभी कैंसर रोगियों को मिठाई, जलपान और छाते वितरित किए।



# चंडीगढ़ सवेरा

टाइम्स

सिटी मौसम	
आधिकतम	न्यूनतम
22.0°	11.0°
सेल्सियस	सेल्सियस
सूर्योदय काल	सूर्यास्त आज
06.51	06.20

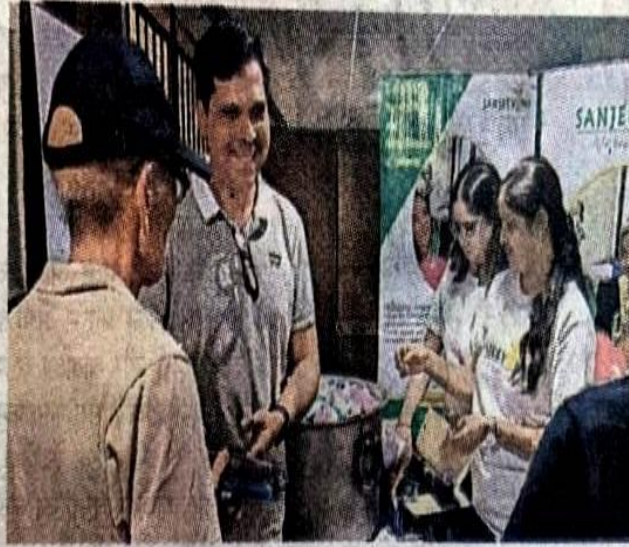
• मोहाली • जीरकपुर • डेराबस्सी • खरड • कुराली • लालडू • मोरिंडा • पंचकुला • पिंजौर • कालका • सरवाला • रायपुर रानी

WWW.DAINIKSAVERATIMES.COM

## पीजीआई क्लिनिकल हैमेटोलॉजी और मैडिकल ऑन्कोलॉजी ने न्यू ओपीडी में निर्जला एकादशी मनाई

सवेरा न्यूज/राकेश

चंडीगढ़, 17 जून: पीजीआई क्लिनिकल हैमेटोलॉजी और मैडिकल ऑन्कोलॉजी ने संजीवनी लाइफ बियॉन्ड कैंसर के सहयोग से कैंसर रोगियों को राहत और देखभाल प्रदान करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम के साथ न्यू ओपीडी में निर्जला एकादशी मनाई। इस अवसर पर रोगियों को भीषण गर्मी और निर्जलीकरण से बचाने के लिए जलपान और आवश्यक वस्तुओं का उदारतापूर्वक वितरण किया गया। डॉ. पंकज मल्होत्रा, डॉ. गौरव प्रकाश और डे केयर वन नर्सिंग अधिकारियों के सहयोग से, संजीवनी टीम



पीजीआई की न्यू ओपीडी के बाहर क्लिनिकल हैमेटोलॉजी और मैडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग निर्जला एकादशी पर छबील में मरीजों को मीठा पानी पिलाते हुए।

ने ओपीडी में मौजूद सभी कैंसर रोगियों को मिठाइयाँ, जलपान और छते वितरित किए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रोगियों को कठोर गर्मी से पर्याप्त जलयोजन और सुरक्षा मिले।

इस तरह से निर्जला एकादशी का उत्सव कैंसर और पीजीआई से परे अपने रोगियों की भलाई के लिए संजीवनी जीवन की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। इन जलपानों के वितरण ने न केवल तत्काल राहत प्रदान की, बल्कि कैंसर रोगियों को उनके ठीक होने की यात्रा में सहायता करने के लिए समुदाय के समर्पण को भी प्रदर्शित किया।



## पीजीआईएमईआर के नए ओपीडी में निर्जला एकादशी मनाई



### ब्यूरो/गुड़गांव मेल

चंडीगढ़। पीजीआई क्लिनिकल हेमेटोलॉजी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी ने संजीवनी लाइफ वियॉन्ड कैंसर के सहयोग से पीजीआईएमईआर के नए ओपीडी में निर्जला एकादशी मनाई, जिसका उद्देश्य कैंसर रोगियों को राहत और देखभाल प्रदान करना था। इस अवसर पर रोगियों को भीषण गर्मी और निर्जलीकरण से बचाने के लिए जलपान और आवश्यक वस्तुओं का उदारतापूर्वक वितरण किया गया। डॉ. पंकज मल्होत्रा, डॉ. गौरव प्रकाश और डे केयर-1 नर्सिंग अधिकारियों के

सहयोग से संजीवनी टीम ने ओपीडी में उपस्थित सभी कैंसर रोगियों को मिठाई, जलपान और छत्रे वितरित किए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रोगियों को पर्याप्त मात्रा में पानी मिले और उन्हें कठोर गर्मी से सुरक्षा मिले। इस तरह से निर्जला एकादशी का उत्सव मनाना कैंसर से परे संजीवनी जीवन और पीजीआईएमईआर की अपने रोगियों की भलाई के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इन जलपानों के वितरण से न केवल तत्काल राहत मिली, बल्कि कैंसर रोगियों को उनके ठीक होने की यात्रा में सहायता करने के लिए समुदाय की प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित हुई।

# चंडीगढ़ भास्कर

## योग मिटाए रोग • पीजीआई ने ट्रायल के रूप में अपनाया योग प्रोटोकॉल, अब 21 जून से प्री-डायबिटिक मरीजों की इसी प्रोटोकॉल से ओपीडी योग से प्री-डायबिटिक मरीजों के डायबिटिक होने के मामले घटे

मनोज अजरेजा | चंडीगढ़

चंडीगढ़ में हर 100 में से 10-12 लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं, जबकि नेशनल एवोज 7-8 फीसदी है। बिगड़े हुए लाइफ स्टाइल की वजह से बहुत से लोग प्री-डायबिटिक स्टेज में हैं। योग की मदद से बिना किसी दवा के ऐसे लोगों को डायबिटिक होने से बचाया जा सकता है। पीजीआई योग सेंटर के इंचार्ज व प्रो. अक्षय आनंद ने बताया कि डायबिटिक योग प्रोटोकॉल को 9000 प्री-डायबिटिक मरीजों पर टेस्ट किया तो पाया गया कि इससे प्री-डायबिटिक लोगों का डायबिटिक में तब्दील होने का खतरा कम होता है। जिन प्री-डायबिटिक लोगों को इस प्रोटोकॉल से अलग रखा गया उनमें कन्वर्जन

रेट सामान्य रहा। इस प्रोटोकॉल से कोलेस्ट्रॉल पर भी काबू पाने में मदद मिली।

पीजीआई में इस प्रोटोकॉल से इंडोक्राइनोलॉजी और मेडिसिन डिपार्टमेंट की ओर से भेजे जा रहे मरीजों का इलाज किया जा रहा है। इसके नतीजे बहुत सकारात्मक रहे हैं। पीजीआई में यह सुविधा गुफ्त में उपलब्ध है। अभी यह प्रोटोकॉल स्टाफ, फैकल्टी मेंबर और रेफरल पेशेंट्स पर इसका इस्तेमाल किया जा रहा है।

प्रो. अक्षय ने बताया कि यह प्रोटोकॉल एस व्यस यूनि. के चार्ल्स डॉ. एचआर नागेंद्र और डॉ. आर नागरत्न के नेतृत्व में तैयार किया गया है। पीजीआई के योग सेंटर का भी अहम रोल रहा है। 3 महीने योग प्रोटोकॉल से तनाव भी कम हुआ।



**इंटरनेशनल योग डे से योग प्रोटोकॉल के तहत ओपीडी...** पीजीआई के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एजुकेशन (नाइन) में पीजीआई के योग सेंटर की एक और ब्रांच खुल रही है। इसका उद्घाटन 21 जून को योग दिवस के दिन प्रो. विवेक लाल करेंगे। इंटरनेशनल योग डे से योग प्रोटोकॉल के तहत प्री-डायबिटिक मरीजों की ओपीडी शुरू की जाएगी।

### प्रोटोकॉल...

यह आसन करेंगे तो नहीं होगी डायबिटीज सूर्य नमस्कार- इसमें 12 आसन होते हैं। रोजाना अभ्यास करने से डायबिटीज कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

• पवन मुक्त आसन: अपने दोनों पैरों को छाती के साथ लगाकर रखना होता है। इससे पेट में प्रेशर बनता है, जो पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है।

दाएं-बाएं मूव करते हैं, इससे हमारा पाचन तंत्र ठीक होता है, भूख बढ़ती है। यह ग्लूकोज को मैटेन करने में मदद करता है।

• धनु आसन, मंडूक आसन, अधोमत्स्येद्र आसन या वक्रासन : यह तीनों आसन पेट के ऑर्गन को मसाज करते हैं। लिवर और पैंक्रियाज को एक्टिव बनाए रखते हैं। यह डायबिटीज को कंट्रोल रखने में मददगार होते हैं।

• प्राणायाम: मानसिक तनाव दूर होता है।

• साइक्लिक मेडिटेशन: साइक्लिक मेडिटेशन में आठ स्टेप होते हैं। इसमें ध्यान को पूरे शरीर पर लगाते हैं। यहां पर हम कुछ आसन और क्रियाओं की मदद से बाँधी को शारीरिक और मानसिक रूप से तनावमुक्त बनाते हैं।

• अग्निसार क्रिया- इसमें पेट को

# चंडीगढ़ भास्कर

## न्यूज़ ब्रीफ

### पीजीआई के वायरोलॉजी विभाग में फील्ड वर्कर के पद के लिए 29 तक करें आवेदन

चंडीगढ़। पीजीआई सेक्टर-12 के वायरोलॉजी विभाग में फील्ड वर्कर की एक वैकेंसी है। आवेदन के लिए अपर एज लिमिट 30 साल है। उम्मीदवार को फंडिंग एजेंसी के नियमों के मुताबिक सैलरी प्लस एचआरए मिलेगा। उम्मीदवारों ने सइंस सबजेक्ट्स के साथ 12वीं और एमएलटी में दो साल का डिप्लोमा किया हो या सइंस सबजेक्ट्स के साथ 12वीं, एमएलटी में एक साल का डिप्लोमा और एक साल का अनिवार्य एक्सपेरिअंस हो या सइंस सबजेक्ट्स में 12वीं क्लास पास के साथ किसी गवर्नमेंट रिकग्निज्ड ऑर्गनाइजेशन में दो साल का फील्ड एक्सपेरिअंस हो बीएससी डिग्री को तीन साल के एक्सपेरिअंस के तौर पर माना जाएगा। उम्मीदवारों को 29 जून दोपहर 2 बजे तक अपने बायोडेटा की हार्ड कॉपी भेजनी होगी। पद कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर है। पद से जुड़ी अन्य किसी तरह की जानकारी के लिए उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट [pgimer.edu.in](http://pgimer.edu.in) पर विजिट कर सकते हैं।